



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 381]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 30, 1995/असाधा 9, 1917

No 381]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 30, 1995/ASADHA 9, 1917

वित्त मंत्रालय
(प्राथमिक कार्य विभाग)
बीमा-प्रभाग
अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्म-
चारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण)
संशोधन नियम, 1995

सा.का.नि. 595 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन
बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की
धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय
जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के
निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और
संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाती है,
अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन
बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा
के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन
नियम, 1995 है।
- (2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय,
ये नियम 1 नवम्बर, 1993 से प्रवृत्त हुए समझे
जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4
कर्मचारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम,
1985 के नियम 18 में, उपनियम (1) के पश्चात्, निम्न-
लिखित परंतुक अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

परंतु निगम, ऐसे प्रत्येक कर्मचारी के संबंध में, इस
उपनियम में विनिर्दिष्ट राशि का प्रत्येक माम भविष्य निधि
में अंशदान नहीं करेगा, जो,—

(क) भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन
नियम, 1995 के अधीन पेंशन के लिए विकल्प
करता है; या

(ख) 28-6-1995 को या इसके पश्चात्
निगम की सेवा में प्रवेश करता है;

परंतु यह और कि भविष्य निधि के न्यायी इन नियमों
के प्रकाशन के पश्चात् छह मास के भीतर, ऐसे प्रत्येक
कर्मचारी के संबंध में, जो भारतीय जीवन बीमा निगम
(कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के अधीन पेंशन का
विकल्प करता है, निगम के अंशदान का संचित अतिशेष
और उस पर प्रोद्भूत ब्याज भारतीय जीवन बीमा निगम
(कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 5 के अधीन
गठित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि
में अंतरित करेंगे।”

[फा.सं. 2 (4)—बीमा-I/94 (i)]
गो.पु.म. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

स्वास्थ्यकारक शापन

केन्द्रीय सरकार ने मूल नियम सा.का.नि. सं. 357. (अ) तारीख 11-4-1985 द्वारा अधिमूर्चित किए गए जिनमें वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों के लिए अंशदायी भविष्य-निधि के लिए उपबंध किया गया है। इन नियमों के नियम 18 के अधीन, निगम के लिए प्रत्येक वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी के संबंध में भविष्य निधि में मूल ब्रेतन के योग का जिसमें, नियम 4 के उपनियम (3) या नियम 6 के उपनियम (2) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट विशेष भत्तों का भाग भी है, दस प्रतिशत की दर से समरूप अंशदान अपेक्षित है।

केन्द्रीय सरकार ने तत्पश्चात् सा.का.नि. सं. 525 (अ) तारीख 28-6-1995 के अधीन भविष्य निधि में निगम के अंशदान के बचले तारीख 1-11-93 में पेंशनिक फायदे देने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त पेंशन नियम कहा गया है), अधिमूर्चित किए हैं। उक्त पेंशन नियमों के नियम 7 में ऐसा उपबंध है, जिसमें यह उपबंधित है कि निगम, ऐसे कर्मचारियों के संबंध में जो पेंशन का विकल्प करते हैं या जो उक्त पेंशन नियमों द्वारा शासित होते हैं, कोई अंशदान नहीं करेगा। उक्त पेंशन नियमों के प्रवृत्त होने के परिणामस्वरूप मूल नियमों के नियम 18 में संशोधन करने का प्रस्ताव है जिससे कि उनमें यह उपबंधित हो सके—

- (1) कि निगम ऐसे, वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करते हैं या जो उक्त पेंशन नियमों द्वारा शासित होते हैं, भविष्य निधि में उक्त समरूप अंशदान नहीं करेगा, और
- (2) कि न्यासी, ऐसे वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करता है या जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के द्वारा शासित होता है, निगम के अंशदान का संवित अतिशेष और उस पर प्रोद्भूत व्याज भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 5 के अधीन गठित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि में अंतरित करेंगे।

चूंकि उक्त पेंशन नियम तारीख 1-11-1993 से प्रवृत्त हुए, समझे जाएंगे इसलिए मूल नियमों के नियम 18 में 1-11-1993 से ही संशोधन करने का प्रस्ताव है। मूल नियमों के नियम 18 में प्रस्तावित उपर्युक्त संशोधन पारिणामिक प्रकृति के हैं। प्रमाणित किया जाता है कि इन पारिणामिक संशोधनों से किसी कर्मचारी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पणी :—मूल नियम सा.का.नि. सं. 357 (अ) तारीख 11-4-1985 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् सा.का.नि. सं. 18(अ) तारीख 7-1-1986, सा.का.नि. सं. 1076 (अ) तारीख 11-9-1986, सा.का.नि. सं. 961 (अ) तारीख 7-12-1987, सा.का.नि. सं. 870 (अ) और 873 (अ) तारीख 22-8-1988, सा.का.नि. सं. 515 (अ) तारीख 12-5-1989, सा.का.नि. सं. 509 (अ) तारीख 24-5-1990, सा.का.नि. सं. 620 (अ) तारीख 6-7-1990, सा.का.नि. सं. 628 (अ) तारीख 10-7-1990, सा.का.नि. सं. 338 (अ) तारीख 11-7-1991 सा.का.नि. सं. 697 (अ) दिनांक 25-11-1991, सा.का.नि. सं. 46 (अ) तारीख 4-2-1993, सा.का.नि. सं. 47 (अ) तारीख 4-2-1993, सा.का.नि. सं. 746 (अ) तारीख 13-12-1993 और सा.का.नि. सं. 55 (अ) तारीख 2-2-1991 द्वारा इसमें संशोधन किये गये।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

INSURANCE DIVISION

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 1995

Life Insurance Corporation of India, Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1995

G.S.R. 595(E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India, Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India, Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1995.

(2) Save as otherwise provided in these rules, these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1993.

2. In the Life Insurance Corporation of India, Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, in rule 18 after sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely :—

Provided that the Corporation shall not contribute to the Provident Fund every month an amount of its contribution specified in this

sub-rule in respect of each such employee who,—

- (a) opts for pension under the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995; or
- (b) joins the service of the Corporation on or after 28-6-1995:

Provided further that the trustees of the Provident Fund shall transfer, within six months after publication of these rules, the accumulated balance of the Corporation's contribution together with the interest accumulated therein in respect of each such employee who opts for pension under the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund constituted under rule 5 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995,".

[F. No. 2(4)-Ins. III/94(i)]

C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government had notified the principal rules vide G.S.R. No. 357(E) dated 11-04-1985 which provides for Contributory Provident Fund for Class III and Class IV employees. Under rule 18 of these rules, the Corporation is required to make a matching contribution at the rate of ten per cent of aggregate of the basic pay including the portion of special allowances specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 or sub-rule (2) of rule 6, to the Provident Fund in respect of each Class III and Class IV employees.

The Central Government subsequently have notified Life Insurance Corporation of India (Employees') Pension Rules, 1995 (hereinafter referred to as the said pension rules) under G.S.R. No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits with effect from 1-11-1993 in lieu of the Corporation's contribution to the Provident Fund. Rule 7 in the said pension rules contains a provision which provides that the Corporation shall not make any contribution in respect of those employees who opt for pension or who are governed by the said pension rules. Consequently upon coming into force of the said pension rules, it is proposed to make amendments in rule 18 of the principal rules so as to provide,—

- (i) that the Corporation shall not make the said matching contribution to the Provident Fund in respect of Class III and Class IV employees who opt for pension or who are governed by the said pension rules; and
- (ii) that the trustees shall transfer the accumulated balance of the Corporation's contribution together with interest accrued thereon in respect of every Class III and Class IV employee, who opts for pension or who is governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund constituted

under rule 5 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995,".

Since the said pension rules shall be deemed to have come into force with effect from 1-11-1993, the amendment in the rule 18 in the principal rules is also proposed with effect from 1-11-1993. The above amendments proposed to in rule 18 of the principal rules are of a consequential nature. It is certified that no employee is likely to be adversely affected by these consequential amendments.

NOTE :—The principal rules were published vide G.S.R. No. 357(E) dated 11-4-1985 and subsequently amended vide G.S.R. No. 18(E) dated 7-1-1986, G.S.R. 1076(E) dated 11-9-1986, G.S.R. No. 961(E) dated 7-12-1987, G.S.R. No. 870(E) and 873(E) both dated 22-8-1988, G.S.R. No. 515(E) dated 12-5-1989, G.S.R. No. 509(E) dated 24-5-1990, G.S.R. No. 620(E) dated 6-7-1990, G.S.R. No. 628(E) dated 10-7-1990, G.S.R. No. 338(E) dated 11-7-1991, G.S.R. No. 697(E) dated 25-11-1991, G.S.R. No. 46(E) dated 4-2-1993, G.S.R. No. 47(E) dated 4-2-1993, G.S.R. No. 746(E) dated 13-12-1993 and G.S.R. No. 55(E) dated 2-2-1994.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी
(सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम,
1995

सा. का. नि. 596(अ):—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1995 है।
- (2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, ये नियम 1 नवम्बर, 1993 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1986 के नियम 8 के उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

परन्तु निगम, ऐसे प्रत्येक कर्मचारी के संबंध में, इस उपनियम में विनिर्दिष्ट राशि का प्रत्येक मास भविष्य निधि में

अंशदान नहीं करेगा, जो,—

(क) भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के अधीन पेंशन के लिए विकल्प करता है; या

(ख) 28-6-1995 को या इसके पश्चात् निगम की सेवा में प्रवेश करता है।

परन्तु यह और कि भविष्य निधि के न्यासी इन नियमों के प्रकाशन के पश्चात् छह मास के भीतर, ऐसे प्रत्येक कर्मचारी के संबंध में, जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के अधीन पेंशन का विकल्प करता है, निगम के अंशदान का संचित अधिशेष और उस पर प्रोद्भूत ब्याज भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 5 के अधीन गठित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि में अन्तरित करेंगे।

[फा. सं. 2(4)—बीमा-III/94(ii)]
सी. एम. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार ने मूल नियम सा. का. नि. सं. 1091 (प्र) तारीख 17-9-86 द्वारा अधिसूचित किए थे जिनमें विकास अधिकारियों के लिए अंशदारी भविष्य निधि के लिए उपबंध किया गया है। इन नियमों के नियम 8 के अधीन, निगम के लिए प्रत्येक विकास अधिकारी के संबंध में भविष्य निधि में मूल वेतन के दस प्रतिशत की दर से समरूप अंशदान करना अपेक्षित है।

केन्द्रीय सरकार ने तत्पश्चात् सा. का. नि. सं. 525 (प्र) तारीख 28-6-1995 के अधीन भविष्य निधि में निगम के अंशदान के बदले तारीख 1-11-93 से पेंशनिक फायदे देने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त पेंशन नियम कहा गया है) अधिसूचित किए हैं। उक्त पेंशन नियमों के नियम 7 में ऐसा उपबंध है, जिसमें यह उपबंधित है कि नियम ऐसे कर्मचारियों के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करते हैं या जो उक्त पेंशन नियमों द्वारा शासित होते हैं, कोई अंशदान नहीं करेगा। उक्त पेंशन नियमों के प्रवृत्त होने के परिणामस्वरूप मूल नियमों के नियम 8 में संशोधन करने का प्रस्ताव है जिससे कि उनमें यह उपबंधित हो,—

- (i) कि निगम, ऐसे विकास अधिकारियों के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करते हैं, या जो उक्त पेंशन नियमों द्वारा शासित होते हैं, भविष्य निधि में उक्त समरूप अंशदान नहीं करेगा; और
- (ii) कि न्यासी, ऐसे विकास अधिकारी के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करता है या जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम,

1995 द्वारा शासित होता है निगम के अंशदान का संचित अधिशेष और उस पर प्रोद्भूत ब्याज भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 5 के अधीन गठित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि में अन्तरित करेंगे :

चूंकि उक्त पेंशन नियम 1-11-1993 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे इसलिए मूल नियमों के नियम 8 में 1-11-93 से ही संशोधन करने का प्रस्ताव है। मूल नियमों के नियम 8 में प्रस्तावित उपर्युक्त संशोधन पारिणामिक प्रकृति के हैं। प्रमाणित किया जाता है कि इन पारिणामिक संशोधनों से किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पणः—मूल नियम सा. का. नि. सं. 1091 (प्र) तारीख 17-9-1986 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् सा. का. नि. सं. 962(प्र) तारीख 7-12-1987, सा. का. नि. 871(प्र), तारीख 22-8-1988 सा. का. नि. 968(प्र) तारीख 7-11-1989, सा. का. नि. सं. 825(प्र) तारीख 9-10-1990, सा. का. नि. सं. 55(प्र) तारीख 21-1-1992, सा. का. नि. सं. 325(प्र) तारीख 10-3-1992 और सा. का. नि. सं. 54 (प्र) तारीख 2-2-1994 द्वारा उनमें संशोधन किए गए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

INSURANCE DIVISION

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th, June, 1995

Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1995.

G.S.R. 596(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1995.
- (2) Save as otherwise provided in these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1993.

2. In the Life Insurance Corporation of India Development Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1986, in rule 8, after sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that the Corporation shall not contribute to the Provident Fund every month an amount of its contribution specified in this sub-rule in respect of each such employee who,—

- (a) opts for pension under the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995; or
- (b) joins the service of the Corporation on or after 28-6-1995.

Provided further that the trustees of the Provident Fund shall transfer, within six months after the publication of these rules, the accumulated balance of the Corporation's contribution together with the interest accrued thereon in respect of each such employee who opts for pension under the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund constituted under rule 5 of “the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995.”

[F. No. 2(4)-Ins III/94(ii)]

C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government had notified the principal rules vide GSR No. 1091(E) dated 17-9-1986 which provide for Contributory Provident Fund for Development Officers. Under rule 8 of these rules, the Corporation is required to make matching contribution at the rate of ten per cent of the basic pay to the Provident Fund in respect of each Development Officer.

The Central Government subsequently have notified Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995 (hereinafter referred to as the said pension rules) under GSR No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits, with effect from 1-11-1993 in lieu of the Corporation's contribution to the Provident Fund. Rule 7 in the said pension rules contains a provision which provides that the Corporation shall not make any contribution in respect of those employees who opt for pension or who are governed by the said pension rules. Consequently upon coming into force of the said pension rules, it is proposed to make amendments in rule 8 of the principal rules so as to provide,—

- (i) that the Corporation shall not make the said matching contribution to the Provident Fund in respect of the Development Officers who opt for pension or who are governed by the said pension rules; and
- (ii) that the trustees shall transfer the accumulated balance of the Corporation's contribution together with interest accrued thereon in respect of every Development Officer, who opts for pension or who is governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, to the

Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund constituted under rule 5 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995.

Since the said pension rules shall be deemed to have come into force with effect from 1-11-1993, the amendment in the rule 8 in the principal rules is also proposed with effect from 1-11-1993. The above amendments proposed in rule 8 of principal rules are of a consequential nature. It is certified that no employee is likely to be adversely affected by the consequential amendments.

Note :—The principal rules were published vide GSR No. 1091(E) dated 17-9-1986 and subsequently amended vide GSR No. 962(E) dated 17-12-1987, GSR No. 871(E) dated 22-8-1988, GSR No. 968(E) dated 7-11-1989, GSR No. 825(E) dated 9-10-1990, GSR No. 55(E) dated 21-1-1992, GSR No. 325(E) dated 10-3-1992 and GSR No. 54(E) dated 2-2-1994.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी-1 अधिकारी
(सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम,
1995

सा.का.नि. 597(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी-1 अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी-1 अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1995 है।

(2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के विषय, ये नियम 1 नवम्बर, 1993 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी-1 अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 8 में, उप नियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

परन्तु नियम, ऐसे प्रत्येक कर्मचारी के संबंध में, इस उपनियम में विनिर्दिष्ट राशि का प्रत्येक मास भविष्य निधि में अंशदान नहीं करेगा, जो—

(क) भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के अधीन पेंशन के लिए विकल्प करता है; या

(ख) 28-6-1995 की या उसके पश्चात् निगम की सेवा में प्रवेश करता है;

परन्तु यह और कि भविष्य निधि के न्यायी इन नियमों के प्रकाशन के पश्चात् छह मास के भीतर, ऐसे प्रत्येक कर्मचारी के संबंध में, जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के अधीन पेंशन का विकल्प करता है, निगम के अंशदान का संचित अतिशेष और उस पर प्रोद्भूत व्याज भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 5 के अधीन गठित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि में अंतर्गति करेंगे।

[फा.सं. 2(4) बीमा-III/94 (iii)]

सी. एस. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार के मूल नियम सा.का.नि. सं. 794 (अ), तारीख 11-10-85 द्वारा अधिसूचित किए थे जिनमें श्रेणी 1 अधिकारियों के लिए अंशदायी भविष्य निधि के लिए उपबंध किया गया है। इन नियमों के नियम 8 के अधीन, निगम के लिए प्रत्येक श्रेणी-1 अधिकारी के संबंध में भविष्य निधि में मूल वेतन के दस प्रतिशत की दर से-समरूप अंशदान करना अपेक्षित है।

केन्द्रीय सरकार ने तत्पश्चात् सा.का.नि. सं. 525(अ) तारीख 28-6-1995 के अधीन भविष्य निधि में निगम के अंशदान के बदले तारीख 1-11-93 से पेंशनिक फायदे देने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त पेंशन नियम कहा गया है) अधिसूचित किए हैं। उक्त पेंशन नियमों के नियम 7 में ऐसा उपबंध है, जिसमें यह उपबंधित है कि निगम ऐसे कर्मचारियों के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करते हैं या जो उक्त पेंशन नियमों द्वारा शासित होते कोई अंशदान नहीं करेगा। उक्त पेंशन नियमों के प्रवृत्त होने के परिणामस्वरूप मूल नियमों के नियम 8 में संशोधन करने का प्रस्ताव है जिसमें कि उनमें यह उपबंधित हो,—

- (i) कि निगम, ऐसे श्रेणी 1 अधिकारियों के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करते हैं, या जो उक्त पेंशन नियमों द्वारा शासित होते हैं, भविष्य निधि में उक्त समरूप अंशदान नहीं करेगा, और
- (ii) कि न्यायी, ऐसे श्रेणी 1 अधिकारी के संबंध में, जो पेंशन का विकल्प करता है या जो भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 द्वारा शासित होता है निगम के अंशदान का संचित अतिशेष और उस पर प्रोद्भूत व्याज भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 के नियम 5 के अधीन गठित भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन निधि में अंतर्गति होंगे।

चूंकि उक्त पेंशन नियम 1-11-1993 से प्रवृत्त हुए, समझे जाएंगे इसलिए मूल नियमों के नियम 8 में 1-11-1993 में ही संशोधन करने का प्रस्ताव है। मूल नियमों के नियम 8 में प्रस्तावित उपर्युक्त संशोधन पारिणामिक प्रकृति के हैं। प्रमाणित किया जाता है कि इन पारिणामिक संशोधनों से किसी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पणः—मूल नियम सा.का.नि. सं. 794(अ) तारीख 11-10-1985 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् सा.का.नि. सं. 960 (अ) तारीख 7-12-1987, सा.का.नि. सं. 493(अ), तारीख 28-2-1988, सा.का.नि. सं. 872(अ) तारीख 22-8-1988, सा.का.नि. सं. 711(अ), तारीख 25-7-1989, सा.का.नि. सं. 816(अ), तारीख 1-10-1990, सा.का.नि. सं. 324(अ) तारीख 10-3-1992 और सा.का.नि. सं. 53(अ) तारीख 22-2-94 द्वारा उनमें संशोधन किये गये।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 1995

Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1995.

G.S.R. 597(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1995.

(2) Save as otherwise provided in these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1993.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, in rule 8, after sub-rule (1), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that the Corporation shall not contribute to the Provident Fund every month an amount of its contribution specified in this sub-rule in respect of each such employee who,—

- (a) opts for pension under the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995; or
- (b) joins the service of the Corporation on or after 28-6-1995 ;

Provided further that the trustees of the Provident Fund shall transfer, within six months after the publication of these rules, the accumulated balance of the Corporation's contribution together with the interest accrued thereon in respect of each such employee who opts for pension under the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund constituted under rule 5 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995.”

[F. No. 2(4)-Ins.III/94(iii)]

C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government had notified the principal rules vide G.S.R. No. 794(E) dated 11-10-1985 which provide for Contributory Provident Fund for Class I Officers. Under rule 8 of these rules, the Corporation is required to make

matching contribution at the rate of ten per cent of the basic pay to the Provident Fund in respect of each Class I Officer.

The Central Government subsequently have notified the Insurance Corporation of India (Employees') Pension Rules, 1995 (hereinafter referred to as the said pension rules) under G.S.R. No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits with effect from 1-11-1993 in lieu of the Corporation's contribution to the Provident Fund. Rule 7 in the said pension rules contains a provision which provides that the Corporation shall not make any contribution in respect of those employees who opt for pension or who are governed by the said pension rules. Consequent upon coming into force of said pension rules, it is proposed to make amendments in rule 8 of the principal rules so as to provide,—

- (i) that the Corporation shall not make the said matching contribution to the Provident Fund in respect of Class I Officers who opt for pension or who are governed by the said pension rules, and
- (ii) that the trustees shall transfer the accumulated balance of the Corporation's contribution together with interest accrued thereon in respect of every Class I Officer who opts for pension or who is governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995; to the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Fund constituted under rule 5 of the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995.

Since the said pension rules shall be deemed to have come into force with effect from 1-11-1993, the amendment in the rule 8 in the principal rules is also proposed with effect from 1-11-1993. The above amendments proposed in rule 8 of principal rules are of a consequential nature. It is certified that no employee is likely to be adversely affected by these consequential amendments.

NOTE: The principal rules were published vide G.S.R. No. 794(E) dated 11-10-1985 and subsequently amended vide G.S.R. No. 960(E) dated 7-12-1987, G.S.R. No. 493(E) dated 22-4-1988, G.S.R. No. 872(E) dated 22-8-1988, G.S.R. No. 711(E) dated 25-7-1989, G.S.R. No. 816(F) dated 1-10-1990, G.S.R. No. 324(F) dated 10-3-1992 and G.S.R. No. 53(E) dated 2-2-1994.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1995

सा.का.नि. 598(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1960 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन (कर्मचारिवृन्द) (संशोधन) नियम, 1995 है।

(2) ये नियम अन्यथा उपबंधित के सिवाय 1 नवम्बर, 1993 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम, 1960 में, विनियम 19 के, उपनियम (4) के प्रथम परन्तुक का लोप किया जाएगा।

[फा.सं. 2(4)-बीमा III/94(vi)]

सी.एस.राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

स्पष्टीकारक ज्ञापन

मूल विनियम, निगम द्वारा भारत के राजपत्र, भाग 4 में तारीख 23-7-1960 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित किए गए थे, जिनमें ओरिएण्टल गवर्नमेंट मिक्योरिटी लाइफ एंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की पेंशन निधि के सदस्यों को छोड़कर निगम के कर्मचारियों के लिए अंशदायी भविष्य निधि के लिए उपबंध हैं।

केन्द्रीय सरकार ने तत्पश्चात् सा.का.नि. सं. 525 (अ) तारीख 28-6-1995 द्वारा भविष्य निधि में निगम के अंशदान के बदले में तारीख 1-11-1993 से पेंशनिक फायदे देने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 अधिसूचित किए हैं।

मूल विनियमों के विनियम 19 के उप विनियम (4) में कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तारीख को अनुपभुक्त विधेयाधिकार छुट्टी के लिए एक मुश्त संदाय का उपबंध है, किन्तु उक्त उप विनियम के प्रथम परन्तुक में उल्लिखित है कि ऐसे कर्मचारी के मामले में, जो पेंशन के लिए हकदार है, उप विनियम (4) के अधीन संदेय एक मुश्त रकम को ऐसी अवधि के लिए पेंशन को रकम में से घटा दिया जायगा।

निगम के कर्मचारियों के लिए अंशदायी भविष्य निधि के बदले पेंशन स्कीम लागू किए जाने की दृष्टि से विनियम 19 के उपनियम (4) के प्रथम परन्तुक का लोप करना आवश्यक हो गया है।

प्रस्ताविक संशोधन केवल पारिणामिक है और उनसे किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 1995

G.S.R. 598(E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendments to the Life Insurance Corporation of India (Staff Regulations), 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India (Staff) (Amendment) Rules, 1995.

(2) Save as otherwise provided they shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1993.

2. In the Life Insurance Corporation of India (Staff Regulations), 1960, in regulation 19, in sub-regulation (4), the first proviso shall be omitted.

[F. No. 2(4)-Ins.III/94(iv)]

C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

EXPLANATORY MEMORANDUM

The principal regulations were notified by the Corporation vide notification dated 23-07-1960 in Part IV of the Gazette of India, which provide for Contributory Provident Fund for the employees of the Corporation except for the members

of the Pension Fund of the Oriental Government Security Life Assurance Company Limited.

The Central Government subsequently have notified the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, vide G.S.R. No. 525(E) dated 28-6-1995 providing for pensionary benefits with effect from 01-11-1993 in lieu of the Corporation's contribution to the Provident Fund.

Sub-regulation (4) of regulation 19 of the principal regulations provides for payment of a lump sum for the unavailed privilege leave on the date of retirement of an employee.

But the first proviso to the said sub-regulation provides that in the case of an employee who is entitled to pension, the lump sum payable under sub-regulation (4) shall be reduced by the amount of pension for such period.

In view of the introduction of pension scheme for the employees of the Corporation in lieu of the Contributory Provident Fund, it has become necessary to omit the first proviso to sub-regulation (4) of regulation 19.

The proposed amendments are only consequential and no employee is likely to be adversely affected thereby.